

## गणतंत्र दिवस परेड Republic Day Parade

26 जनवरी 2009 (माघ 6, शक संवत् 1930)  
26 January 2009 (6 Magha, Saka Samvat 1930)







## कार्यक्रम

## Programme

0957 बजे भारत के राष्ट्रपति का मुख्य अतिथि, कज़ाख़स्तान गणराज्य के राष्ट्रपति के साथ राजकीय सम्मान सहित आगमन।

रक्षा मंत्री द्वारा राष्ट्रपति और मुख्य अतिथि की अगवानी।

रक्षा मंत्री द्वारा राष्ट्रपति और मुख्य अतिथि से रक्षा उत्पादन राज्य मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, तीनों सेनाध्यक्षों और रक्षा सचिव का परिचय।

राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री और मुख्य अतिथि का मंच की ओर प्रस्थान। रक्षा मंत्री द्वारा राष्ट्रपति तथा मुख्य अतिथि को उनके आसनों की ओर अगवानी।

राष्ट्रीय ध्वज का फहराया जाना। राष्ट्रपति के अंगरक्षकों द्वारा राष्ट्रीय सलामी। बैंड द्वारा राष्ट्रगान की प्रस्तुति तथा 21 तोपों की सलामी।

राष्ट्रपति द्वारा अशोक चक्र पुरस्कार प्रदान करना।

गणतंत्र दिवस परेड का शुभारंभ।

सांस्कृतिक प्रस्तुति।

मोटर साइकिलों पर करतब।

विमानों द्वारा सलामी।

राष्ट्रपति के अंगरक्षकों द्वारा राष्ट्रीय सलामी।

राष्ट्रपति का मुख्य अतिथि के साथ राजकीय सम्मान सहित प्रस्थान।

0957 hours The President, accompanied by the Chief Guest, the President of the Republic of Kazakhstan, arrives in State.

The Raksha Mantri receives the President and the Chief Guest.

The Raksha Mantri presents to the President and the Chief Guest, the Raksha Utpadan Rajya Mantri, the Raksha Rajya Mantri, the three service Chiefs and the Defence Secretary.

The President, the Raksha Mantri and the Chief Guest proceed to the Rostrum. The Raksha Mantri escorts the President and the Chief Guest to their seats.

The National Flag is unfurled. The President's Body Guard presents the National Salute. The Band plays the National Anthem and a 21-Gun Salute is fired.

The President presents the Ashoka Chakra awards.

The Republic Day Parade commences.

The Cultural Pageant.

Motorcycle Display.

Fly-past.

The President's Body Guard presents the National Salute.

The President, accompanied by the Chief Guest, departs in State.



## परेड-क्रम

भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टरों द्वारा पुष्प वर्षा

परेड कमांडर

परेड उप-कमांडर

परमवीर चक्र तथा अशोक चक्र पुरस्कार विजेता

## सेना

*सवार दस्ता*

61 रिसाला

*मैकेनाइज्ड जत्थे*

भीष्म टैंक टी-90

ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र प्रणाली

ओ.एस.ए.-ए.के. हथियार प्रणाली

पूर्ण चौड़ाई वाला बारूदी सुरंग प्लाऊ  
टी-72 (एफ.डब्ल्यू.एम.पी.)

नेटवर्क प्रचालन केंद्र (एन.ओ.सी.)

आई.सी.वी. बी.एम.पी.-II सारथ

तक्षक प्रहारक

आधुनिक हल्के हेलिकॉप्टरों द्वारा सलामी।

## The Order of March

**Showering of Flower Petals by IAF helicopters**

Parade Commander

Parade Second-in-Command

Param Vir Chakra and Ashok Chakra Awardees

## Army

*Mounted Column*

61 Cavalry

*Mechanised Columns*

T-90 Tanks Bheeshma

BrahMos Missile System

OSA-AK Weapons System

Full Width Mine Plough

T-72 (FWMP)

Network Operation Centre (NOC)

ICV BMP-II SARATH

Takshak Striker

Fly Past by Advanced Light Helicopters



## मार्च करती हुई टुकड़ियां

पैराशूट रेजिमेंट

मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट

तोपखाना केन्द्र, हैदराबाद  
ग्रेनेडियर्स रेजिमेंटल सेन्टर

} बैंड धुन  
'शेर-ए-जवान'

राजपूत रेजिमेंट

गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंट

1 सिग्नल प्रशिक्षण केन्द्र  
जाट रेजिमेंटल सेन्टर

} बैंड धुन  
'वीर गोरखा'

कुमाऊँ रेजिमेंट

जम्मू और कश्मीर राइफल्स रेजिमेंट

डोगरा रेजिमेंटल सेन्टर  
सिख रेजिमेंटल सेन्टर

} बैंड धुन  
'आर्मी स्टार'

लद्दाख स्काउट्स

प्रादेशिक सेना

कुमाऊँ रेजिमेंटल सेन्टर  
सेना ऑर्डनेन्स कोर (ए.ओ.सी.)  
सेन्टर तथा स्कूल

} बैंड धुन  
'अल्मोड़ा'

## नौसेना

नौसेना ब्रास बैंड : बैंड धुन : 'जय भारती'  
मार्च करती हुई टुकड़ी

झांकी : भारतीय नौसेना-आई.एन.एस. जलश्व

## वायुसेना

वायुसेना बैंड : बैंड धुन : 'एयर वैंरियर'  
मार्च करती हुई टुकड़ी

वाहन जत्था : एरोस्पेस शक्ति - भारतीय वायुसेना का  
उत्कर्ष

## Marching Contingents

The Parachute Regiment

The Maratha Light Infantry Regiment

The Artillery Centre, Hyderabad } Band playing  
The Grenadiers Regimental Centre } 'Sher-e-Jawan'

The Rajput Regiment

The Garhwal Rifles Regiment

1 Signal Training Centre } Band playing  
The JAT Regimental Centre } 'Vir Gorkha'

The Kumaon Regiment

The Jammu and Kashmir (JAK)  
Rifles Regiment

The Dogra Regimental Centre } Band playing  
The Sikh Regimental Centre } 'Army Star'

Laddakh Scouts

The Territorial Army

The Kumaon Regimental Centre } Band playing  
The Army Ordnance Corps (AOC) } 'Almora'  
Centre and School

## Navy

Naval Brass Band : Band playing 'Jai Bharti'  
Marching Contingent

Tableau : Indian Navy - INS Jalashwa

## Air Force

Air Force Band : Band playing 'Air Warrior'  
Marching Contingent

Vehicular Column : Aerospace Power - IAF Surging  
Ahead



## रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन-उपस्कर जत्थे

पोत से प्रक्षेपित होने वाला ब्रह्मोस (नौसेना)

उन्नत वायु रक्षा (थल सेना)

आकाश (वायुसेना लांचर)

अग्नि-III (सामरिक प्रणाली)

### पूर्व-सैनिक

58 गोरखा प्रशिक्षण केन्द्र (जी.टी.सी.) } बैंड धुन  
तथा मिलिट्री पुलिस कोर (सी.एम.पी.) } 'गिरिराज'  
सेन्टर तथा स्कूल  
पूर्व सैनिकों की मार्च करती हुई टुकड़ी

### अर्द्ध-सैनिक तथा अन्य सहायक सिविल बल

सीमा सुरक्षा बल की मार्च करती हुई टुकड़ी  
सीमा सुरक्षा बल : बैंड धुन : 'विजय भारत'

सीमा सुरक्षा बल के ऊंटों की टुकड़ी  
सीमा सुरक्षा बल के ऊंट : बैंड धुन : 'हम हैं सीमा  
सुरक्षा बल'

असम राइफल्स की मार्च करती हुई टुकड़ी  
असम राइफल्स : बैंड धुन : 'असम राइफल्स के सिपाही'  
तटरक्षक बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) :  
बैंड धुन : 'सेवा भक्ति का यह प्रतीक'  
केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) :  
बैंड धुन : 'कदम-कदम बढ़ाए चल'  
भारत तिब्बत सीमा पुलिस की मार्च करती हुई टुकड़ी

## DRDO Equipment Columns

Ship Launched BrahMos (Navy)

Advanced Air Defence (Land Forces)

AKASH (Air Force Launcher)

AGNI -III (Strategic System)

### Ex-Servicemen

58 Gorkha Training Centre (GTC) } Band playing  
and Corps of Military Police (CMP) } 'Giriraj'  
Centre and School  
Ex-Servicemen Marching Contingent

### Para-Military and Other Auxiliary Civil Forces

Border Security Force (BSF) Marching Contingent  
Border Security Force : Band playing 'Vijay Bharat'

BSF Camel Contingent  
BSF Camel : Band playing 'Hum Hain Seema  
Suraksha Bal'

Assam Rifles Marching Contingent  
Assam Rifles : Band playing 'Assam Rifles Ke Sepahi'  
Coast Guard Marching Contingent

Central Reserve Police Force (CRPF) : Band playing  
'Seva Bhakti Ka Yah Prateek'  
CRPF Marching Contingent

Indo-Tibetan Border Police (ITBP) : Band playing  
'Kadam Kadam Bdhayee Chal'  
ITBP Marching Contingent



केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.) :

बैंड धुन : 'कदम-कदम बढ़ाए जा'

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

Central Industrial Security Force (CISF) :

Band playing 'Kadam-Kadam Badhaye Ja'

CISF Marching Contingent

सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) : बैंड धुन :

'जोश भरा है सीने में'

सशस्त्र सीमा बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

Sashastra Seema Bal (SSB) : Band playing 'Josh

Bhara Hai Sine Main'

SSB Marching Contingent

रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) : बैंड धुन :

'सारे जहाँ से अच्छा'

रेलवे सुरक्षा बल की मार्च करती हुई टुकड़ी

Railway Protection Force (RPF) : Band playing

'Sare Jahan Se Achchha'

RPF Marching Contingent

दिल्ली पुलिस : बैंड धुन : 'दिल्ली पुलिस'

दिल्ली पुलिस की मार्च करती हुई टुकड़ी

Delhi Police : Band playing 'Delhi Police'

Delhi Police Marching Contingent

### राष्ट्रीय कैडेट कोर (एन.सी.सी.)

### National Cadet Corps (NCC)

राष्ट्रीय कैडेट कोर के बालक : बैंड धुन :

'कदम-कदम बढ़ाए जा'

'सीनियर डिवीजन लड़कों की मार्च करती हुई टुकड़ी'

NCC Boys : Band playing

'Kadam-Kadam Badhaye Ja'

Senior Division Boys Marching Contingent

राष्ट्रीय कैडेट कोर की बालिकाएं : बैंड धुन :

'सारे जहाँ से अच्छा'

सीनियर डिवीजन बालिकाओं की मार्च करती हुई टुकड़ी'

NCC Girls : Band playing

'Sare Jahan Se Achchha'

Senior Division Girls Marching Contingent

### राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.)

### National Service Scheme (NSS)

सामूहिक पाइप और ड्रम : बैंड धुन :

'देशों का सरताज भारत'

राष्ट्रीय सेवा योजना की मार्च करती हुई टुकड़ी

Mass Pipes and Drums : Band playing

'Deshon Ka Sartaj Bharat'

NSS Marching Contingent



## सांस्कृतिक प्रस्तुति

झांकियां : अठारह

खुली जीपों में राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार विजेता बच्चे

बच्चों की प्रस्तुति

स्कूली बच्चों की प्रस्तुति : दो

नारी शक्ति

बारात नृत्य

मोटर साइकिलों पर करतब : सेना (सिग्नल्स)

विमानों द्वारा सलामी\*

गुब्बारे छोड़ना : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग

\*मौसम अनुकूल रहने पर।

## The Cultural Pageant

*Tableaux* : Eighteen

**National Bravery Award Winning Children in open jeeps**

**Children's Pageant**

**School Children Items : Two**

Naari Shakti

Barat Dance

**Motorcycle Display : Army (Signals)**

**Fly-Past\***

**Release of balloons : Indian Meteorological Department.**

*\*If weather conditions permit.*



## सांस्कृतिक प्रस्तुति

आज, भारत अपना 60वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। यह सांस्कृतिक प्रस्तुति हमारी प्राचीन सभ्यता, सांस्कृतिक विविधता और प्रगति की झलक प्रस्तुत करती है जो भारत के गौरवशाली अतीत की द्योतक है तथा समृद्ध और खुशहाल भविष्य के प्रति नागरिकों के दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है।

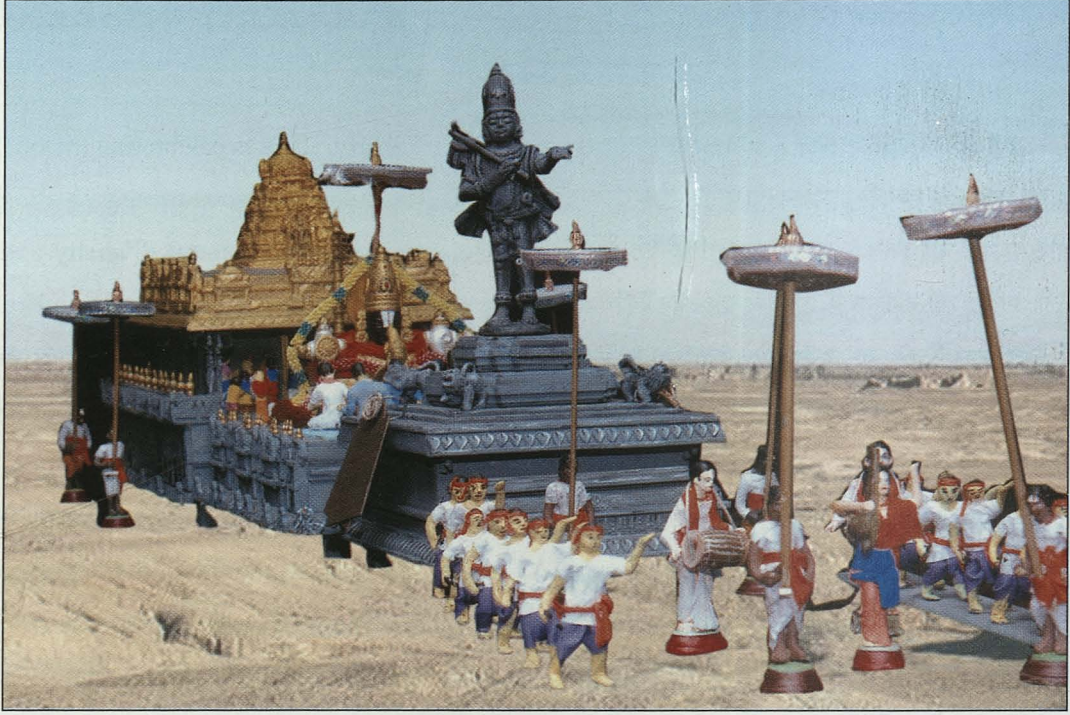
रंगबिरंगी झांकियों का क्रम-विन्यास भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और प्रौद्योगिकीय पहलुओं का चित्रण करता है। इन झांकियों में हमारे भौगोलिक सौंदर्य तथा वास्तु-शिल्पीय धरोहर को दिखाया गया है।

## CULTURAL PAGEANT

Today, India is celebrating the 60<sup>th</sup> Republic Day. The cultural pageant presents a glimpse of our ancient civilisation, cultural diversity and progress symbolising India's glorious past and reflects the citizens' aspirations for a prosperous and happy tomorrow.

The array of colourful tableaux depicts the social, cultural, economic and technological facets of India. These tableaux capture the beauty of our landscape and architectural heritage.





## अन्नामय्या

आंध्र प्रदेश की झांकी में एक महानतम् तेलगू संत तथा संगीतकार तल्लापाका अन्नामाचार्य (1408–1503) को प्रस्तुत किया गया है। भगवान श्री वेंकटेश्वर, तिरुमला के बालाजी के रूप में विख्यात, के अनन्य भक्त अन्नामाचार्य ने भगवान श्री वेंकटेश्वर की स्तुति में कर्नाटकी संगीत में लगभग 32,000 कृतियों की रचना की। इन्हें तांबे की प्लेटों पर उकेरा गया था जो तिरुमला के बालाजी मंदिर के अंदर सदियों से छिपी थीं। ये कीर्तन, तिरुमला तिरुपति देवस्थानों द्वारा इतने अधिक लोकप्रिय किए गए थे कि अन्नामय्या के कीर्तन, आंध्र प्रदेश में भगवान बालाजी के प्रत्येक भक्त के होठों पर गूँजने वाले घर-घर के भक्ति संगीत एवं साहित्य बन गए हैं। उनके गीतिकाव्य ने सामाजिक समरसता की यह अवधारणा स्थापित की है कि राजा और रंक दोनों भगवान के लिए एक समान हैं तथा अछूतों के उत्थान की पैरवी की है।

**आंध्र प्रदेश**

## Annamayya

The tableau of Andhra Pradesh presents Tallapaka Annamacharya (1408-1503), one of the greatest Telugu saint composers.

An ardent devotee of Lord Sri Venkateswara, known as Balaji of Tirumala, Annamacharya composed around 32,000 Krithis in Carnatic music in the praise of Lord Sri Venkateswara. They were found engraved on copper plates which were hidden for centuries inside the Balaji temple at Tirumala. Annamayya's Keerthanas were so popularized by the Tirumala Tirupati Devasthanams that these have become a household devotional literature for almost every devotee of Lord Balaji in Andhra Pradesh. His lyrics propagate the concept of social equality that a prince and penniless are equal before the God, and plead for upliftment of untouchables.

**Andhra Pradesh**



## काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान

असम का काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एक सींग वाले भारतीय गैंडों के लिए विख्यात है। काजीरंगा के पास न केवल इस प्रागैतिहासिक स्तनपायी को लुप्तप्रायः होने से बचाने का असाधारण श्रेय है बल्कि इसकी जनसंख्या में वृद्धि करने का भी गौरव प्राप्त है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान कई अन्य वन्य जीवों तथा विभिन्न किस्म के पक्षियों का प्राकृतिक निवास होने के साथ-साथ यह जंगली भैंसों, दलदली हिरणों, सूकर हिरणों, बोलते हिरणों, साम्बर तथा जंगली बराहों का घर भी है। हुलोक लंगूर, कैण्ड लंगूर, मैकाक असामिनिस, रीसस मैकाक, सामान्य तथा जल मानीटर छिपकलियां, हॉग बैजर, साही, गन्ध मार्जार, गांगेय डॉल्फिन, नेवले, बड़ी गिलहरियां तथा अजगर भी अक्सर यहां देखे जाते हैं।

असम की झांकी में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान को इसकी समस्त विविधता तथा प्राकृतिक सौंदर्य के साथ प्रस्तुत किया गया है।

## Kaziranga National Park

Kaziranga National Park of Assam is well-known for its Indian one-horned rhinoceros. The Park has rare distinction of not only saving this prehistoric mammal from the verge of extinction but also of increasing its population. Being natural habitat of many other wild animals and a variety of birds, Kaziranga National Park is also home for wild buffaloes, swamp deer, hog deer, barking deer, sambar and wild boars. Hoolock gibbon, capped langurs, macaque assaminis, rhesus macaque, common and water monitor lizards, hog badgers, porcupines, civet cats, gangetic dolphins, mongoose, giant squirrels and pythons are also frequently seen here.

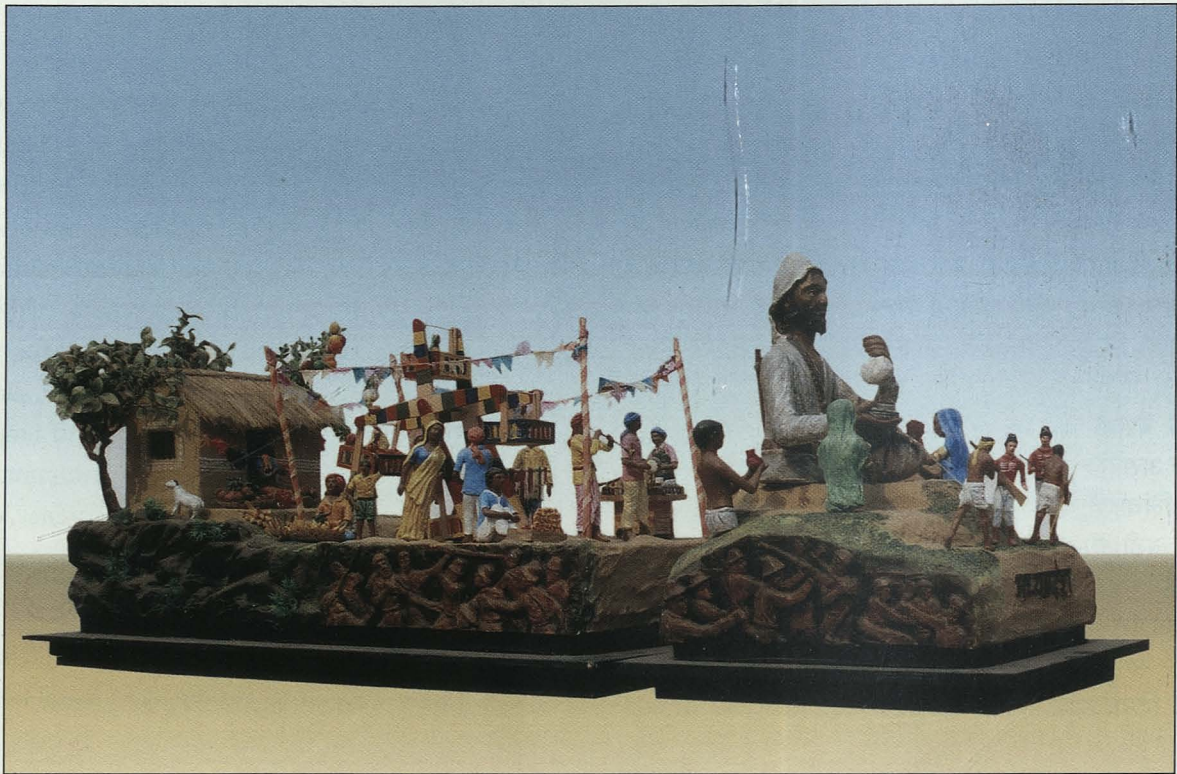
The tableau of Assam presents the Kaziranga National Park with all its variety and natural beauty.

**असम**

**Assam**







## तांत्या भील

तांत्या भील ने उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध में अंग्रेजों के विरुद्ध पंद्रह वर्ष तक लड़ाई लड़ी थी। किशोरावस्था से ही उन्होंने नेतृत्व के गुणों का प्रदर्शन शुरू कर दिया था। तांत्या की अनोखी कार्य प्रणाली निमार के संरक्षक तथा लोगों के परित्राता के रूप में उसकी छवि के लिए अधिकांशतः जिम्मेदार थी। तांत्या की गतिविधियां और उसका विद्रोह प्रभावी शासकों के खिलाफ था। उसने इस क्षेत्र में रहने वाले भीलों, बंजारों, कोनाकुसों तथा गरीब किसानों पर शासन किया। अंग्रेजों की नजर में तांत्या एक डाकू था जिसने स्थापित प्रशासन और न्यायपालिका प्रणाली को चुनौती दी थी। तांत्या भील को अंग्रेजों द्वारा 4 दिसम्बर, 1889 को फांसी पर लटका दिया गया था। पातलपानी में तांत्या के स्मारक का होना तथा बिजनसंगढ में उनकी याद में वार्षिक मेले का आयोजन होना उनकी अलौकिक पहचान का साक्ष्य है।

मध्य प्रदेश अपनी झांकी के माध्यम से अपने जनजातीय नायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

**मध्य प्रदेश**

## Tantya Bhil

Tantya Bhil, the greatest Bhil fighter battled against the British for fifteen years in the late nineteenth century. Right from his adolescence, he started displaying qualities of leadership. Tantya's unique mode of action was largely responsible for his image as the protector of Nimar and saviour of people. It was against dominant ruling power that Tantya organised his activities. He ruled over Bhils, Banjaras, Konakus and the poor peasants inhabiting this region. Tantya was a Bandit in British eyes because he had challenged the established administration and judiciary system. Tantya Bhil was hanged on 4<sup>th</sup> December, 1889 by the British. Tantya's memorial at Patalpani and annual fair at Bijansangad testifies his supernatural identity.

Through its tableau, the state of Madhya Pradesh pays its rich tribute to the tribal Hero.

**Madhya Pradesh**



## त्रिपुरा का वेणु-शिल्प

त्रिपुरा के विशाल वन प्रदेशों में सर्वत्र उपलब्ध बांसों को उपयोगिता तथा सजावट की विभिन्न वस्तुओं के रूप में तैयार किया जाना है। मछलियां रखने की टोकरियों, छाज, वाद्य यंत्रों, धनुष, बाण तथा कभी-कभी सिर पर धारण करने वाली वस्तुओं जैसे धान उत्पादकों द्वारा पहनी जाने वाली टोपियों आदि जैसी आश्चर्यजनक वस्तुओं के अलावा बांस से बनने वाली वस्तुओं के खजाने में बर्तन, चटाईयां, टोकरियां तथा भंडारण बर्तन आदि शामिल हैं। त्रिपुरा के हस्तशिल्पी बालों जैसे पतले बांस के रेशों से अत्यधिक सुंदर चटाईयां बनाते हैं। बांस की जड़ों का जैसे तश्तरी, दीप, फल टोकरियां, परदे, छड़ी तथा चाबी के छल्ले आदि सजावटी तथा उपयोगी एवं रोचक वस्तुओं का निर्माण करने में इस्तेमाल किया जाता है।

त्रिपुरा राज्य की झांकी में, राज्य के शिल्पियों की शिल्प का अद्भुत चित्रण किया गया है।

## Bamboo Crafts of Tripura

The ubiquitous bamboo of Tripura's great forest lands has been crafted into a variety of utilitarian and decorative objects. The repertoire of the bamboo crafts include items such as pots and mats, baskets and storage vessels, apart from the amazing range of finishing baskets, winnowing trays, musical instruments, bows, arrows and sometimes even headgear. In Tripura craftsman makes some of the most exquisite mats from hair-like thin silver threads of bamboo. The bamboo root is used to create interesting range of decorative and utilitarian items such as serving trays, lamps, fruit baskets, screens, walking stick and key rings etc.

The tableau of Tripura depicts outstanding craftsmanship of artisans of the State.

त्रिपुरा

*Tripura*







## खांडगिरि और उदयगिरि

भुवनेश्वर के निकट खांडगिरि और उदयगिरि के पवित्र पर्वत उड़ीसा के प्राचीन गौरव से आनंदित करने वाले आश्चर्यजनक ढंग में निर्मित शानदार गुफाओं के लिए प्रसिद्ध हैं। खांडगिरि और उदयगिरि पर्वत क्रमशः 'कुमार पर्वत' तथा 'कुमारी पर्वत' कहलाते हैं। इन गुफाओं की खुदाई प्रथम-द्वितीय शताब्दी ई.पू. के दौरान चेदी वंश के महान सम्राट खारवेल के द्वारा कराई गई थी। हाथी गुफा में राजा खारवेल के शानदान पाली महापाषाणयुगीन रिकार्ड अंकित किए हुए हैं। इस समय दोनों पर्वतों में पहाड़ों को काटकर 33 गुफाएं बनाई गई हैं। इनमें से दो मंजिली रानी गुफा सबसे अधिक आकर्षक है।

उड़ीसा की झांकी में खांडगिरि एवं उदयगिरि गुफाओं के अप्रतिम सौंदर्य के प्रदर्शन का प्रयास किया गया है।

**उड़ीसा**

## Khandagiri and Udayagiri

The sacred hills of Khandagiri and Udayagiri in the vicinity of Bhubaneswar are famous for its fabulously erected magnificent caves in Orissa. The hills Khandagiri and Udayagiri are known as 'Kumara Parvata' and 'Kumari Parvata' respectively. These caves were excavated by the great emperor 'Kharavela' of Chedi dynasty during 1<sup>st</sup> – 2<sup>nd</sup> century B.C. The Hati Gumpha (Elephant Cave) has magnificent Pali megalithic record of king Kharavela engraved in it. At present there are 33 rock cut caves in both the hills. Among all Rani Gumpha (Queen's Cave) is the most attractive double story cave.

The tableau of Orissa tries to showcase the pristine beauty of Khandagiri and Udaygiri caves.

**Orissa**



## पूरम

‘पूरम’ ध्वनि, रंग एवं भव्यता के लोकप्रिय आकर्षण की एक अभिव्यक्ति है। पूरम, मध्य केरल विशेषतया त्रिचुर एवं पलक्कड जिलों में ग्रीष्मकालीन फसल के बाद होने वाला एक रंगीन वार्षिक मंदिर त्यौहार है। पूरम त्यौहार का मुख्य आकर्षण शोभायात्रा में प्रदर्शन करने वाले आभूषणों से अलंकृत हाथी और ‘मेलम’ नामक उसका उन्मादी संगीत है। त्रिसुरपुरम केरल का सबसे रंगीन त्यौहार है और यह सम्पूर्ण भारत से बहुसंख्यक भक्तों एवं दर्शकों को आकर्षित करता है।

केरल की झांकी में केरल के पूरम त्यौहार का चित्रण किया गया है।

## Pooram

‘Pooram’ is an expression of popular fascination for sound, colour and pageantry. Pooram is a colourful annual temple festival held after the summer harvest in central Kerala, especially in Thrissur and Palakkad districts. Main attraction of pooram festival is ornately decorated elephants parading in a procession and its frenzy music called ‘Melam’. Thrissurpooram is the most colourful festival of Kerala and it attracts a large number of devotees and spectators from all over the country.

The tableau of Kerala depicts the festival of Pooram of Kerala.

## केरल

## Kerala







## मिथिला की लोक-संस्कृति

बिहार का मिथिला क्षेत्र उसकी लोक कला एवं संस्कृति की समृद्ध विरासत के लिए प्रसिद्ध है। मिट्टी के बने घरों में उकेरी गई देवी तथा देवताओं की चित्रकारी आकर्षक तथा सजीव बन पड़ी है। दीवारों, कपड़ों एवं कागज पर उकेरा गया चित्र 'मधुबनी चित्रकारी' के नाम से प्रचलित है। अब यह कला देश की सीमाओं को लांघकर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति अर्जित कर रही है। झींझिया, जट-जटीना, सामा-चकेवा आदि प्रमुख नृत्य हैं जिसमें युवक एवं युवतियां भाग लेती हैं।

बिहार की झांकी में मिथिला की लोक संस्कृति को दिखाया गया है जिसमें भारत की आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक छवियां परिलक्षित होती हैं।

**बिहार**

## Folk Culture of Mithila

The Mithila region of Bihar is known for its rich heritage of folk art and culture. The engraved paintings of gods and goddesses on the mud-made houses are vivid and attractive. The picture engraved and carved in walls, clothes and paper is known as 'Madhubani Painting'. Now this art is transcending the international borders. 'Jhinjhia', 'Jat-Jatina', 'Samachakieva' etc. are the famous dance forms in which young men and women participate.

The tableau of Bihar showcases the folk-culture of Mithila in which the spiritual and cultural images of India reflect.

**Bihar**



## रणथम्भोर-इतिहास, प्रकृति तथा वन्य जीवन

रणथम्भोर राष्ट्रीय उद्यान (392 वर्ग कि.मी. क्षेत्र) का नाम इसके मध्य में स्थित किले से लिया गया है जिसका नामकरण दो पहाड़ियों-‘रण’ तथा ‘थम्भोर’ से हुआ है। सर्वाधिक पुराने किलों में से एक ‘रणथम्भोर’ हमें गौरवपूर्ण अतीत तथा ‘जौहर’ परम्परा (राजपूत महिलाओं द्वारा आत्मदाह का रिवाज जब राजपूत युद्ध में हार जाते थे) की याद दिलाता है। इस किले पर जिन शासकों ने कब्जा किया उनमें 11वीं सदी में राजा हमीर तथा 1558-59 में मुगल बादशाह अकबर शामिल थे। यह किला फिर जयपुर के शासकों को लौटा दिया गया था जिन्होंने अपने शाही शिकार मैदान के रूप में किले के आसपास वन को संरक्षित किया। संरक्षण के इस कार्य के परिणामस्वरूप रणथम्भोर राष्ट्रीय उद्यान का निर्माण हुआ। रणथम्भोर अपने बाघों की बड़ी जनसंख्या के लिए प्रसिद्ध है। इस उद्यान में पक्षियों की 270 से अधिक विभिन्न प्रजातियां फल-फूल रही हैं।

## Ranthambore- History, Nature and Wild Life

Ranthambore National Park (Area of 392 square Kms.) gets its name from the fort that stands in the middle of park and derives its name from the two hills – ‘Ran’ and ‘Thanbhor’. One of oldest forts, Ranthambore reminds us of its glorious past and tradition of ‘Johar’ (self-immolation practiced by Rajput women when the Rajputs were defeated in the battle). Among the rulers who occupied this fort were Raja Hammir in 11<sup>th</sup> century and Mughal Emperor Akbar, in 1558-59. The fort was then given back to the rulers of Jaipur who preserved the forest around the fort as their royal hunting ground. This act of conservation led to the eventual creation of Ranthambore National Park.

Ranthambore is famous for its large tiger population. The reserve has thriving bird population with more than 270 different species of birds here.

राजस्थान

Rajasthan







## तेरुक्कूतु

‘तेरुक्कूतु’ फसल के बाद और वर्षा ऋतु शुरू होने के पहले मार्च से अगस्त के दौरान तमिलनाडु में होने वाला एक प्राचीन लोक कलारूप है। अभिन्यास एवं मुद्राओं को छोड़कर, नृत्य कला के मूल तत्वों सहित यह पात्रों की भावनाओं के प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व का एक रूप है जिसका प्रदर्शन खुली जगह, शारीरिक मुद्राओं तथा वार्तालाप, कविताओं, नृत्य तथा शारीरिक अभिव्यक्ति ‘मेपाडुस’ का इस्तेमाल करके और इन तत्वों के समन्वय के जरिए किया जाता है। यह इन क्षेत्रों की सामाजिक-धार्मिक संस्कृति में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ‘तेरुक्कूतु’ में पुरुष कलाकार महिलाओं की भूमिका भी निभाते हैं। आन्ध्र प्रदेश के ‘यक्षगान’ या नुक्कड़ नाटक एवं तमिलनाडु के ‘तेरुक्कूतु’ के बीच कई समानताएं हैं। ‘तेरुक्कूतु’ के लिए अधिकांश कथाएं महाभारत से ली गई हैं।

तेरुक्कूतु जीवन्त कला की एक विधा है जिसमें नृत्य और संगीत का समावेश है। इस झांकी के द्वारा तमिलनाडु इस गीत नाटक या नृत्य नाटक का प्रदर्शन करते हैं, जो तमिलनाडु की एक प्रमुख लोक कला है।

तमिलनाडु

## Therukkoothu

‘Therukkoothu’ is one of the ancient folk art forms of Tamilnadu performed during the months of March to August after harvest and before starting of rainy season. Having all the traditional dramatic elements except ‘Abhinayas’ and ‘Mudras’, it is a form of symbolic expression of emotions of the characters through body movements using open space, conversation, poems, dance and bodily manifestations, ‘Meippadus’ and the synchronization of all these elements. It plays a major role in the socio-religious culture of the region. In ‘Therukkoothu’, male artists perform the role of women. There seem to be many similarities between ‘Yakshagana’ or street play of Andhra Pradesh and ‘Therukkoothu’ of Tamil Nadu. Majority of stories taken for ‘Therukkoothu’ are taken from Mahabharatham.

Therukkuthu is a vibrant art form, which has dance and music. Through its tableau, the State of Tamilnadu is showing the musical play or dance drama, the popular folk art form of Tamil Nadu.

Tamilnadu



## धनगर

बहुलत: महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्रों में बसने वाले 'धनगर' चरवाहे होते हैं। गर्मजोशी से भरे इन दोस्तीपसंद लोगों को उनके परम्परागत वेशभूषा अर्थात् सिर को ढकने के लिए पगड़ी, कुर्ता, छोटी धोती, कंधों पर कम्बल या 'गोंगदी' और इन सबके साथ निःसंदेह घंटी लगी छड़ी से पहचाना जा सकता है। अपनी भेड़ों को हांकने के लिए एक हाथ में लम्बी छड़ी लिए ये लोग पहाड़ी भू-क्षेत्र की ऊंची-नीची चोटियों पर अपने रास्ते तलाशते चलते रहते हैं।

महाराष्ट्र राज्य अपनी झांकी में धनगरों के जीवन को प्रदर्शित करता है। ट्रैक्टर में पगड़ी, कुर्ता एवं घुटने तक की धोती पहने एक 'धनगर' खड़ा है तथा एक तरफ चट्टान के नीचे एक औरत भेड़ का पालन-पोषण करती हुई दिखाई दे रही है। ट्रैलर के अन्त में अपनी झोपड़ी के बरामदे में घर के काम-काज में व्यस्त दो धनगर महिलाएं दिखाई दे रही हैं।

महाराष्ट्र

## Dhangar

Inhabitants of the most rural parts of Maharashtra, the 'Dhangars' are shepherds and cattle rearing community. These warm and friendly people are instantly recognisable by their traditional attire i.e. 'turban' to cover the head, 'kurta', 'short dhoti', a blanket or 'Ghongdi' thrown over the shoulders and of course the ever-present stick with bells attached to it. With a long stick in one hand to guide their sheep, they track their path across the rugged peaks of the hilly terrain.

The tableau of Maharashtra showcases the life of Dhangars. On the tractor, a Dhangar is shown wearing his turban, kurta and short dhoti. Alongside, under the rock, a woman is seen tending sheep. At the rear portion of trailer, two Dhangar women are seen doing domestic work on the varandah of the hut.

Maharashtra







## साहसिक पर्यटन

प्रकृति ने उत्तराखण्ड को प्राकृतिक सौन्दर्य का वरदान दिया है। साहसिक पर्यटन हेतु असीम संभावनाओं से युक्त तथा साहसिक खेलों के लिए पूरी तरह से सुसज्जित उत्तराखण्ड को प्रथम दक्षिण एशियाई फेडरेशन शीतकालीन खेलों के आयोजन का दायित्व सौंपा गया है। औली स्थित पांच किलोमीटर लम्बे तथा दो किलोमीटर चौड़े मखमली हरे घास का मैदान, जो खेलों के आयोजन का प्रमुख स्थल है, में तीन मीटर तक की बर्फबारी होती है जो पर्यटकों के लिए पर्यटन का आदर्श स्थल बनाती है। पर्यटक 'फूलों की घाटी', 'आदि-कैलाश', 'हर-की-दून' तथा 'रूपकुंड' को भी उतना ही आकर्षक पाते हैं। कैलाश मानसरोवर की तीर्थयात्रा उत्तराखण्ड से होकर आयोजित होती है।

उत्तराखण्ड की झांकी में साहसिक पर्यटन विषय-वस्तु को प्रस्तुत किया गया है। ऋषिकेश में गंगा नदी विश्वभर के नौकायन प्रेमियों के लिए प्रसिद्ध स्थल है जिसे ट्रैक्टर के अग्रभाग में देखा जा सकता है। झांकी के मध्य भाग में पैरा ग्लाइडिंग तथा आइस-स्केटिंग का चित्रण है। पृष्ठ भाग में स्नो स्कीइंग, ट्रैकिंग तथा चट्टान-चढ़ाई को दिखाया गया है।

## Adventure Tourism

The Mother Nature has bestowed Uttarakhand with natural beauty. Having immense potential for adventure tourism and being fully equipped for adventure sports, Uttarakhand has been given the responsibility to conduct the first South Asian Federation Winter Games. Five kms long and two kms velvety green meadow at Auli, the main venue of the Games receives three meters snow, making it an ideal choice of tourists. Tourists also find valley of flowers, 'Adi-Kailash', 'Har-Ki-Dun' and 'Roopkund' equally fascinating. Kailash Mansarovar pilgrimage is conducted via Uttarakhand.

The tableau of Uttarakhand presents the theme of adventure tourism. The river Ganga at Rishikesh is a famous spot for lovers of rafting from all over the world, which can be seen on the tractor. The middle section of the tableau depicts para-gliding and ice-skating. The rear portion showcases snow skiing, trekking and rock-climbing.

उत्तराखण्ड

Uttarakhand

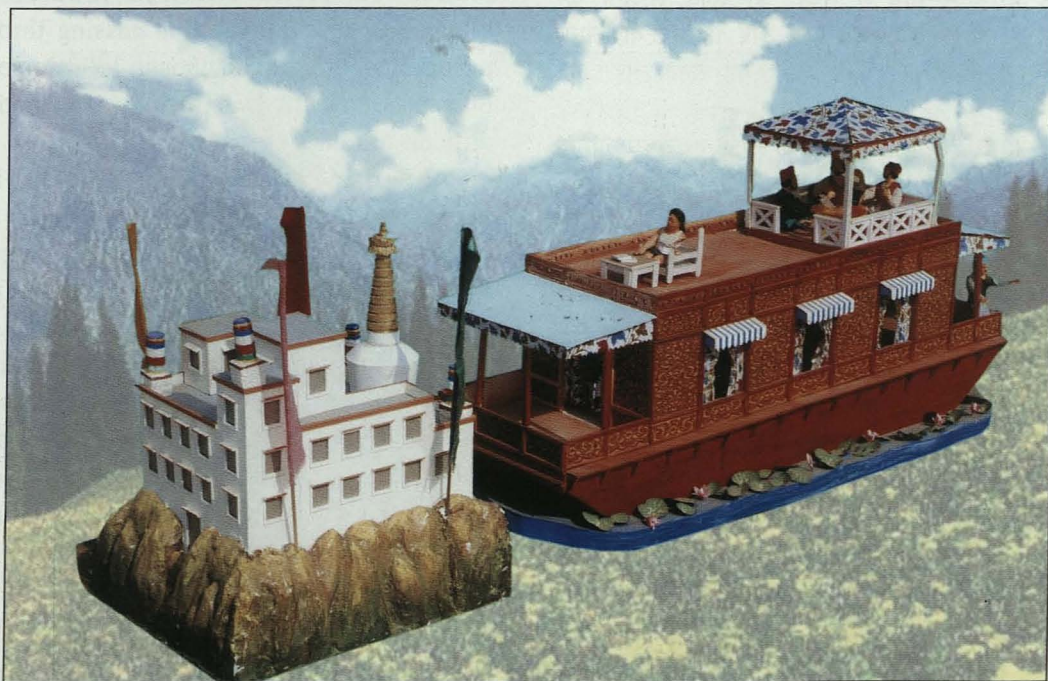


## जम्मू-कश्मीर में पर्यटन

भारत के उत्तर भाग में अवस्थित सर्वाधिक चित्ताकर्षक गंतव्य स्थल जम्मू-कश्मीर को ठीक ही 'धरती का स्वर्ग' कहा जाता है। यह भारत और विश्व के प्रमुख पर्यटक स्थलों में से एक है। जम्मू के मन्दिरों, लद्दाख के गोम्पास, कश्मीर की झीलें व नाव एवं तीज-त्यौहार पर्यटकों को अविस्मरणीय स्थल के रूप में याद दिलाते हैं।

जम्मू एवं कश्मीर की झांकी में वहां के पर्यटन की झलकियों को दिखाया गया है। परम्परागत वेशभूषा में नृत्य करते हुए मुखौटा नृतकों के एक समूह के साथ लद्दाख के एक मठ का प्रदर्शन किया गया है जिसकी पृष्ठभूमि में एक शानदार हाउसबोट है जहाँ लोग 'रबाव', 'नट', 'तुम्बकनरी', 'सारंगी' आदि कश्मीरी वाद्ययंत्रों की धुन पर 'छकरी' गा रहे हैं, यह कश्मीर का सर्वाधिक लोकप्रिय लोकगीत है। झांकी के पीछे 'कुड' नृत्य हो रहा है जो एक विशेष किस्म का लोकनृत्य है जिसे फसलों की रक्षा करने वाले देवता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए जम्मू के पर्वतीय क्षेत्रों में किया जाता है। इस प्रकार यह समरसतापूर्ण सह-अस्तित्व का अद्भुत सम्मिश्रण प्रदर्शित करता है।

### जम्मू-कश्मीर



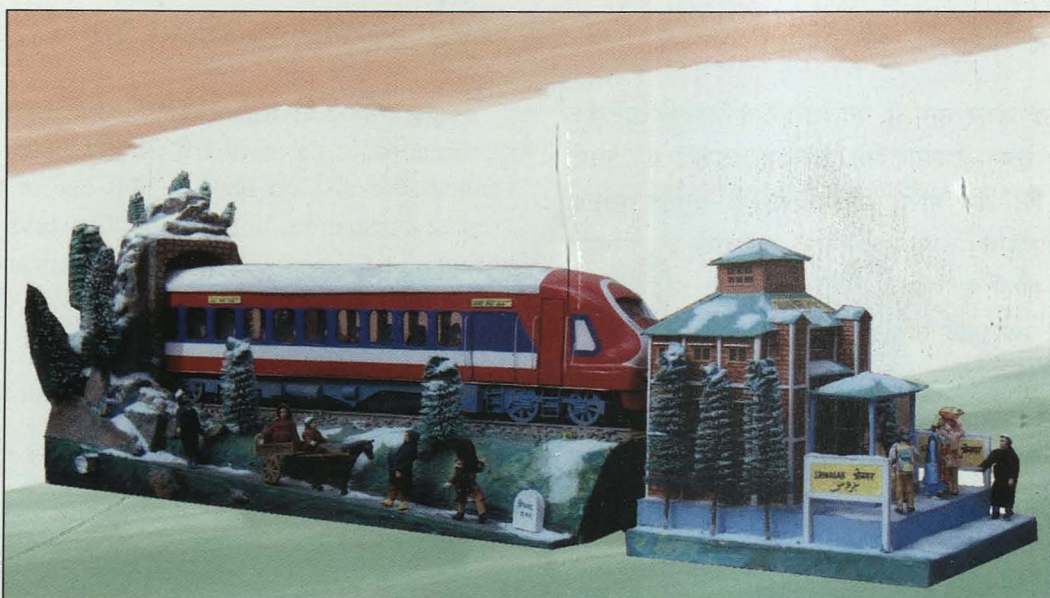
## Tourism in Jammu and Kashmir

Jammu and Kashmir, the most picturesque destination in the northern part of India is rightly called 'Paradise on Earth'. It is one of the major tourist destinations in India and the world. Temples of Jammu, Gompas of Ladakh, the lakes and boats of Kashmir, fairs and festivals make the place unforgettable to the visitors.

The tableau of Jammu and Kashmir showcases the glimpses of tourism in Jammu and Kashmir. A model of a monastery of Ladakh with a group of mask dancers performing in their traditional costumes, is followed by a luxurious houseboat, where people are singing 'Chhakari', is the most popular form of folk song in Kashmir with the accompaniment of Kashmiri musical instruments of 'Rabab', 'Nut', 'Tumbaknari', 'Sarangi' etc. The tableau is followed by 'Kud' dance; a typical community dance performed in mountain ranges of Jammu to express gratitude to the deity for protecting their crops, thus depicting a unique blend of harmony and co-existence.

### Jammu and Kashmir





## जम्मू-बारामुला रेल संपर्क-एक राष्ट्रीय परियोजना

भारतीय रेलवे जम्मू और बारामुला के बीच रेल सम्पर्क द्वारा देश के बाकी हिस्सों के साथ कश्मीर को जोड़ने का कार्य कर रही है। यह नया रेल सम्पर्क मार्ग आजादी के पश्चात् भारतीय रेल द्वारा निष्पादित की जा रही सबसे बड़ी परियोजना है और इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया गया है। इस परियोजना में दुर्गम भू-भाग में स्थित 30 रेलवे स्टेशनों को शामिल करते हुए 1013 छोटे-बड़े पुलों और 130 कि.मी. लम्बी सुरंगों से होकर गुजरने वाली 345 कि.मी. नई रेलवे लाइन का निर्माण होना है।

इस भू-भाग में चलाए जाने के लिए स्लीक एयरोडायनामिक आकार वाली डीजल एमयू रेलगाड़ी का चुनाव किया गया है जिसका स्वरूप आधुनिक एवं भावी दोनों होगा। 1400 अश्वशक्ति के इसके इंजन में जाड़े के मौसम में बिना किसी कठिनाई के शीघ्रता से चालू करने के लिए हीटिंग सिस्टम का इंतजाम किया गया है। डीजल से चलने वाली कार के अगले सिरे पर बर्फ काटने वाले कैटिल गार्डों को लगाया गया है ताकि जाड़े के मौसम में बर्फ को साफ किया जा सके। यात्री डिब्बों में, गर्म करने वाली यूनितों को छतों से लगाकर यात्रियों के आराम के लिए व्यवस्था की गई है। मनोहारी दृश्य देखने के लिए चौड़े तथा अटूट व बेदाग खिड़कियों तथा खिसकने वाले दरवाजों का इंतजाम किया गया है। रेल मंत्रालय द्वारा इस झांकी के माध्यम से इस महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना की झलकियों को दर्शाया गया है।

**रेल मंत्रालय**

## Jammu-Baramulla New Rail Link – A National Project

Indian Railways are in the process of linking Kashmir Valley with the rest of the country by a rail link between Jammu and Baramulla. This new rail link is the biggest project undertaken by the Indian Railways since independence and has been declared a National Project. The project involves construction of a 345 kilometres new railway line passing through 1013 major/minor bridges and through 130 kilometres length of tunnels, covering over 30 Railway Stations in a very difficult terrain.

The train selected to run on this stretch is the sleek aerodynamic shaped Diesel MU with a modern futuristic look. The 1400 HP engine has been provided with heating system for quick and trouble free start in winters. 'Snow cutting type cattle guard' is provided at the driving end of Diesel Power Car for clearing snow from tracks during winter. The passenger area has arrangement of heating of passenger comfort through Roof mounted heating units. Wide unbreakable splinter proof windows for panoramic view and sliding doors at the doorways have also been provided. Ministry of Railways through its tableau showcases glimpses of its prestigious National Project.

**Ministry of Railways**



## चरखा का विकास

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सूत कातने वाले पहिए, 'चरखा' (स्पिनिंग व्हील) को आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन के साधन के रूप में देखते थे। आज़ादी के पूर्व से आज तक, इस चरखे का, सूत कातने वाले सामान्य पहिए से ग्रामीण रोजगार के कारगर साधन के रूप में विकास हुआ है। चरखे के मौलिक रूप में नए सुधार करके इसके कार्य को आसान कर दिया गया है तथा इससे इसकी उत्पादन क्षमता में भी वृद्धि हुई है।

खादी जिसे कभी मोटा कपड़ा समझा जाता था, अब महीन कपड़े के रूप में विकसित हो चुका है जो हरेक मौसम के लिए उपयुक्त है। आरामदायक अनुभूति और पर्यावरण अनुकूल खादी के कपड़े ने देश में खादी के क्षेत्र में नया आयाम स्थापित किया है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय के अंतर्गत खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग समूचे देश में खादी एवं ग्रामीण उद्योग के विकास के लिए मुस्तैदी से लगा हुआ है।

इस झांकी के माध्यम से, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग, खादी एवं ग्रामीण उद्योग के जरिए निरंतर रोजगार सृजन की नई दृष्टि को प्रदर्शित करता है।

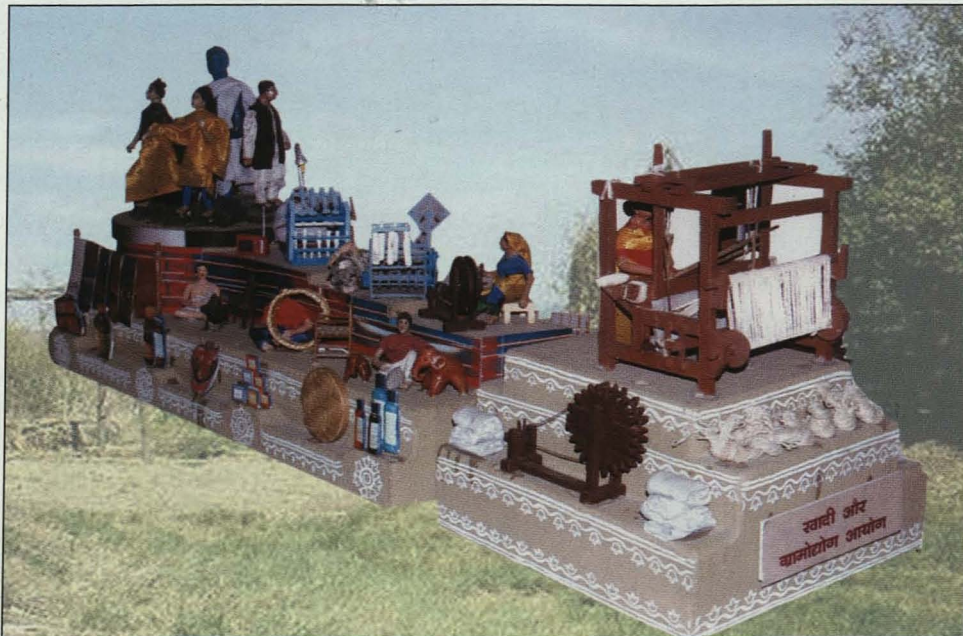
**खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग  
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय**

## Evolution of Charkha

Mahatma Gandhi, the Father of our Nation envisioned 'Charkha', the 'Spinning Wheel' as the tool of self-reliance and self-sufficiency. Since the time of pre-independence to this day, Charkha evolved from a simple spinning wheel to a potent weapon of rural employment. Improved innovations in the basic form of Charkha have removed drudgery, while improving efficiency of production.

Khadi considered as a coarse fabric, has evolved into fine fabric suitable for all types of weather. Its natural feel and eco-friendly texture has added new dimensions in the sartorial scene of Khadi in the Country. Khadi and Village Industries Commission (KVIC) under the Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises has been working tirelessly in promoting Khadi and Village Industries through the length and breadth of the country and through its tableau, KVIC shows its new vision of creation of sustainable employment through promotion of Khadi and Village Industries.

**Khadi and Village Industries Commission  
Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises**







## ग्राम विद्युतीकरण

गांवों के विकास के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली का अत्यधिक महत्व है। विद्युत मंत्रालय के द्वारा ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आर.ई.सी.) की झांकी के माध्यम से ग्रामीण विद्युतीकरण के जरिए भारत निर्माण और संपन्नता की अवधारणा पर प्रकाश डालने की कोशिश की गई है। झांकी में ऐसे तत्वों को जीवंत बनाया गया है जो न केवल सांकेतिक है अपितु प्रदर्शनात्मक भी है। पंखा चल रहा है, विद्युत चालित पंप से पानी निकल रहा है, टेलीविजन चल रहा है और कुम्हार के परम्परागत चाक की जगह विद्युत चालित पहिए पर काम हो रहा है। कुल मिलाकर यह सरल और सहज रूप से बिजली का उपयोग किए जाने के परिवेश को दर्शाता है। 'मस्तूल' पूरी झांकी के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है क्योंकि इसमें टेबल लैंप के प्रकाश में पढ़ रही एक लड़की को दिखाया गया है।

**ग्रामीण विद्युतीकरण निगम  
विद्युत मंत्रालय**

## Village Electrification

Electricity in rural areas is of paramount importance for the development of the villages. The tableau of Rural Electrification Corporation (R.E.C.) under the Ministry of Power is an attempt to focus on the concept of Bharat Nirman and prosperity through rural electrification. The tableau has animated elements which are not only suggestive, but are demonstrative too. The fan is in motion, the electric pump dispensing water, television, and the potter working on an electric wheel instead of the conventional wheel, put together present an ambience of electricity being utilised with clock-work precision. The 'masthead' is one of the most significant aspects of the entire tableau as it presents a girl studying with the help of a table lamp.

**Rural Electrification Corporation  
Ministry of Power**



## भारत में खगोल विज्ञान

भारत में खगोल विज्ञान की सदियों पुरानी परंपरा रही है जिसके चलते देश में विश्वस्तरीय खगोलीय सुविधाओं का विकास हुआ है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय ताराविज्ञान संस्थान की झांकी विगत के कुछ दशकों की उपलब्धियों को प्रदर्शित कर रही है। भारतीय ताराभौतिकी संस्थान द्वारा प्रचालित स्वदेश निर्मित 2.3 मी. वेणु बापू प्रकाशकीय टेलीस्कोप भारत की विभिन्न वेधशालाओं का प्रतिनिधित्व करती है जबकि राष्ट्रीय रेडियो ताराभौतिकी केंद्र के तीन डिशेज स्वदेश में अभिकल्पित तथा निर्मित वृहद् मीटरवेव रेडियो टेलीस्कोप (जी.एम.आर.टी.) का प्रतिनिधित्व करते हैं तथा अदृश्य रेडियो आकाशीय क्षेत्र में हमारी शुरुआत को प्रदर्शित करते हैं।

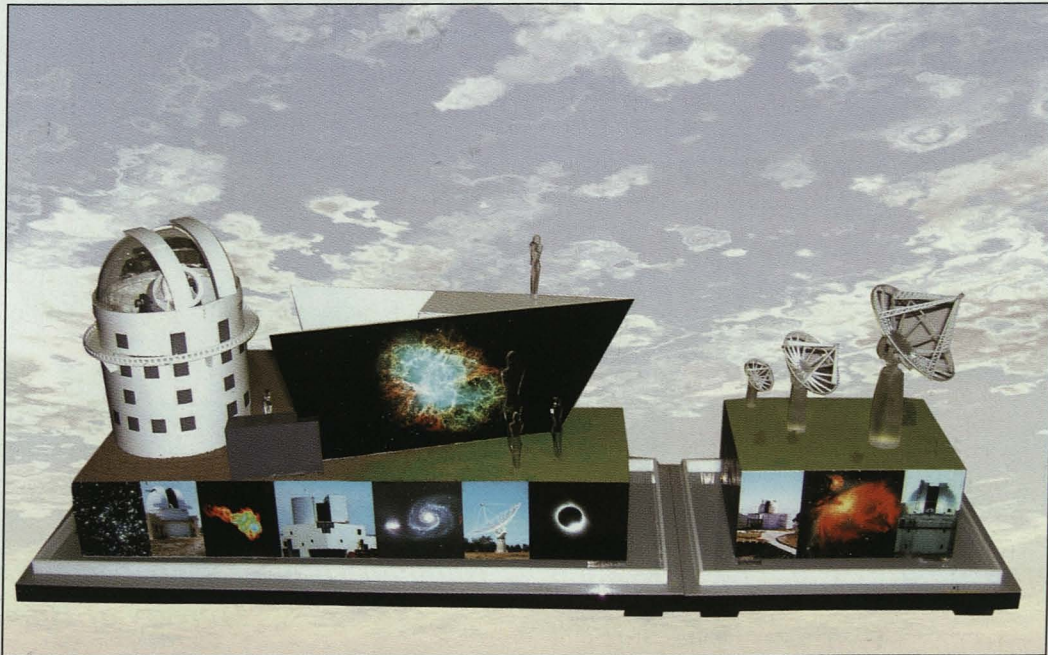
गेलिलियो गेलिलि द्वारा प्रथम बार खगोलीय दूरबीन के उपयोग की 400वीं वर्षगांठ की स्मृति में वर्ष 2009 को 'अंतर्राष्ट्रीय खगोल वर्ष' घोषित किया गया है। उक्त पहलू को इस झांकी में जीवंत कलाकारों द्वारा पेशेवर तथा शौकीन खगोलशास्त्रियों के रूप में प्रतिबिंबित किया गया है।

**भारतीय ताराविज्ञान संस्थान  
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय**

## Astronomy in India

India has a long tradition in Astronomy that has seen the development of world class astronomical facilities in the country. The tableau of Indian Institute of Astrophysics under Ministry of Science and Technology showcases the achievements of Indian astronomers over the past few decades. The optical telescope, based on indigenously built 2.3 mts. Vainu Bappu Telescope operated by the Indian Institute of Astrophysics, represents the various observatories in the country, while the three dishes of the radio telescope, representing one arm of the indigenously designed and built Giant Meterwave Radio Telescope (GMRT) operated by the National Centre for Radio Astrophysics, show our entry into the regime of the invisible radio skies. To commemorate the 400<sup>th</sup> anniversary of the first use of an astronomical telescope by Galileo Galilei, the year 2009 has been declared as the 'International Year of Astronomy' (IYA - 2009). This aspect is reflected in the Tableau in the form of live performers who enact the roles of professional and amateur astronomers.

**Indian Institute of Astrophysics  
Ministry of Science and Technology**







## आपदा प्रबंधन

हमारा राष्ट्रीय दृष्टिक्षेत्र राहत-केंद्रित दृष्टिकोण से परिवर्तित होकर एक ऐसी समग्र, सक्रिय, बहु-आपदाओं से निपटने हेतु प्रौद्योगिकी संचालित शासन-प्रणाली में प्रवेश करने की ओर अग्रसर है जिसका विशेष ध्यान प्रशमन, निवारण, तैयारी और कार्रवाई पर केंद्रित हो। ये प्रयास विकास के लाभों का संरक्षण करेंगे तथा जान-माल, आजीविका और संसाधनों को होने वाली हानियों को न्यूनतम करेंगे जिससे भारत एक सुरक्षित और आपदाओं से निपटने में पूर्ण सक्षम राष्ट्र बन सके। समुदाय क्षमता-निर्माण और जन-चेतना कार्यक्रम जिसमें समुदाय, विद्यालय के छात्रों और स्थानीय अधिकारियों/कर्मचारियों का प्रशिक्षण शामिल है, हमारे इस दृष्टिक्षेत्र के प्रमुख संघटक हैं। राष्ट्रीय आपदा कार्यवाही बल, प्राकृतिक आपदाओं तथा नाभिकीय, जैविकीय और रासायनिक संकटों से निपटने के लिए एक बहु-कुशल विशिष्ट बल है जो आधार स्तर पर क्षमता-निर्माण जन चेतना कार्यों में संलग्न है।

गृह मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.) अपनी झांकी के माध्यम से विषय-वस्तु की प्रस्तुति करता है।

**राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण**  
**गृह मंत्रालय**

## Disaster Management

The National vision, seeks to usher in a paradigm-shift away from a relief centric approach to a holistic, proactive, multi-disaster and technology driven regime that focuses upon mitigation, prevention, preparedness and response. These efforts will conserve developmental gains and also minimize losses to lives, livelihood and property, evolving a safer and disaster resilient India. Community Capacity Building and Public Awareness including training of community, school children and local officials are the key components of this vision. The National Disaster Response Force, a multi-skilled specialist Force for Natural Disasters and Nuclear, Biological and Chemical emergencies, is also engaged in Capacity Building and Public Awareness at the grass root level.

The tableau of National Disaster Management Authority (N.D.M.A.) under the Ministry of Home Affairs shows the theme through its presentation.

**National Disaster Management Authority**  
**Ministry of Home Affairs**



## खेल-खिलौने

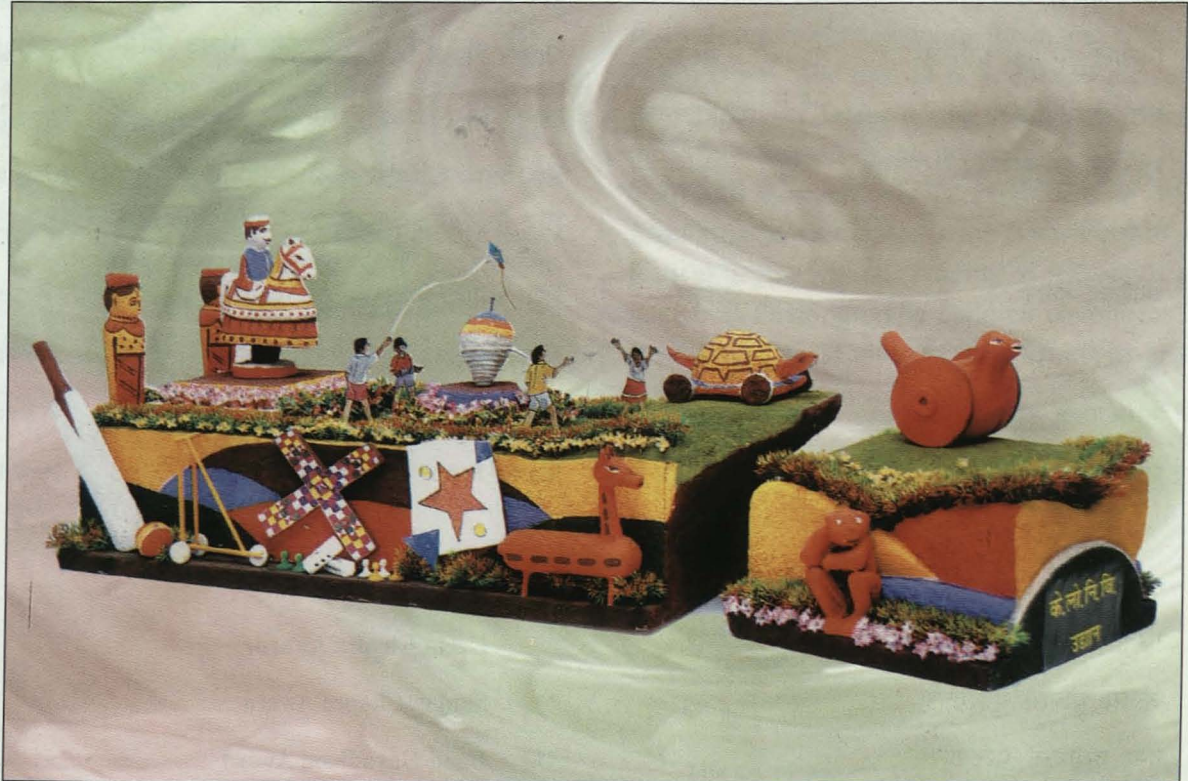
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की इस झांकी की विषय-वस्तु ऐतिहासिक एवं परंपरागत खेल-खिलौने हैं। खिलौने उतने ही प्राचीन हैं जितनी कि मानव जाति। हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ों नामक सिंधु घाटी सभ्यता के स्थलों (2500-1700 ई.पू.) खुदाई करने पर मिट्टी के खिलौने प्राप्त हुए हैं। ट्रैक्टर पर पहिए के ऊपर चिड़िया का खिलौना रखा है। इसके नीचे ट्रैक्टर के मुख्य भाग के दोनों तरफ मोहनजोदड़ों का बंदर प्रदर्शित किया गया है। ट्रेलर के सामने की ओर पहिए पर आकर्षक कछुआ रखा गया है। रंगबिरंगे पारंपरिक चौपड़ (पासों का एक खेल), लकड़ी का जिराफ, पतंग तथा बल्ला एवं गेंद, ट्रेलर के दोनों ओर रंगबिरंगे फूलों से सुसज्जित है। 'मंदिर कावडि' नर्तक तथा परंपरागत रंगबिरंगे लकड़ी के गुड़डे ट्रेलर की पीछे की ओर दिखाए गए हैं। संपूर्ण झांकी को फूलों से उनकी प्राकृतिक छटाओं में सजाया गया है।

## Toys and Games

The concept of floral Tableau of Central Public Works Department is historical and based on traditional toys and games. Toys are perhaps as old as the human race itself. In the Indus Valley Civilisation at Harappa and Mohenjodaro (2500-1700 B.C.), terracotta toys have been unearthed. On the tractor, a toy bird on wheel is shown. Below this on both sides of the main tractor, the climbing monkey of Mohen-jo-daro is shown. A very attractive tortoise on wheel is placed in front side of the trailer and a colourful traditional choupat (a game with dice), a wooden giraffe, a kite and a bat and ball decorated by colourful flowers are also shown on side panels of the trailer. 'Temple Kawdi' dancer and traditional colourful wooden dolls are shown on the back side of the trailer. The entire tableau is crafted with flowers in their natural shades.

**केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग**

**Central Public Works Department**





## राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार विजेता - 2008

नाम	राज्य
कुमारी प्राची संतोष सेन*	मध्य प्रदेश
मास्टर सौमिक मिश्र**	उत्तर प्रदेश
कुमारी आसु कंवर***	राजस्थान
कुमारी सीमा कंवर***	छत्तीसगढ़
कुमारी कविता कंवर (मरणोपरांत)***	छत्तीसगढ़
कुमारी अनीता कोरा	पश्चिम बंगाल
कुमारी रीना कोरा	पश्चिम बंगाल
कुमारी मंजूषा ए.	केरल
कुमारी दीनू के. जी.	केरल
मास्टर युमखैबम एडीसन सिंह	मणिपुर
मास्टर शहंशाह	उत्तर प्रदेश
कुमारी हिना कुरैशी	राजस्थान
मास्टर विशाल सूर्याजी पाटिल	महाराष्ट्र
मास्टर एम. मरूदू पंडी	तमिलनाडू
कुमारी सिल्वर खरबानी	मेघालय
मास्टर मनीश बंसल	हरियाणा
कुमारी कृतिका झंवर	राजस्थान
मास्टर गगन जे. मूर्ति	कर्नाटक
कुमारी भूमिका जे. मूर्ति	कर्नाटक
मास्टर राहुल	नई दिल्ली

- \* गीता चोपड़ा पुरस्कार
- \*\* संजय चोपड़ा पुरस्कार
- \*\*\* बापू गयाधनी पुरस्कार

## Winners of the National Award for Bravery - 2008

Name	State
Km. Prachi Santosh Sen*	Madhya Pradesh
Master Saumik Mishra**	Uttar Pradesh
Km. Asu Kanwar***	Rajasthan
Km. Seema Kanwar***	Chhattisgarh
Km. Kavita Kanwar(Posthumous)***	Chhattisgarh
Km. Anita Kora	West Bengal
Km. Rina Kora	West Bengal
Km. Manjusha A.	Kerala
Km. Dinu K. G.	Kerala
Master Yumkhaibam Addison Singh	Manipur
Master Shahanshah	Uttar Pradesh
Km. Hina Quereshi	Rajasthan
Master Vishal Suryaji Patil	Maharashtra
Master M. Marudu Pandi	Tamil Nadu
Km. Silver Kharbani	Meghalaya
Master Manish Bansal	Haryana
Km. Kritika Jhanwar	Rajasthan
Master Gagan J. Murthy	Karnataka
Km. Bhoomika J. Murthy	Karnataka
Master Rahul	New Delhi

- \* Geeta Chopra Award
- \*\* Sanjay Chopra Award
- \*\*\* Bapu Gayadhani Award



## बच्चों का प्रदर्शन

### नारी शक्ति

महिलाएं जीवन-चक्र की एक दूसरी धुरी होती हैं जिस पर जीवन-चक्र चलता है। महिला सशक्तिकरण उचित नियमों के अधिनियमन के जरिए उन्हें सामाजिक आर्थिक तथा राजनैतिक दर्जा प्रदान करता है। सभ्यता के विकास में बेहतर दुनिया के निर्माण में महिलाएं सक्षम हैं। यदि बालिकाओं को सही दिशा में सही शिक्षा मिले तो विकास की गति और तेज हो सकती है। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने बहुत ही सटीक कहा था कि 'किसी भी राष्ट्र की स्थिति वहां की महिलाओं की स्थिति को देखकर समझी जा सकती है'। रेमल पब्लिक स्कूल, रोहिणी, दिल्ली की बालिकाएं रंगारंग प्रस्तुति द्वारा विषय-वस्तु के महत्त्व को दर्शाती हैं।

### बारात नृत्य

बारात लोक उत्सव असम के 'टिवा' समुदाय के प्रसिद्ध त्यौहारों में से एक है। 'कुंआरी पूजा' एवं 'ऊषा बारात त्यौहार' के नाम से प्रचलित यह त्यौहार 'कटि' एवं 'माघ बिहु' महीनों के दौरान मनाया जाता है। इस त्यौहार को महाराज तेतिलिया की उपस्थिति में शीत ऋतु की पूर्णिमा की रात तेतिलिया पहाड़ के तराई क्षेत्र में नियमित रूप से मनाया जाता है। विभिन्न टिवा गांवों से आने वाले 'पाती धुलिया' नर्तक और गायक इस बारात त्यौहार में भाग लेते हैं। उद्घाटन समारोह में 300 दीपों को प्रज्वलित करके इस त्यौहार की शुरुआत की जाती है। उत्तर-पूर्व सांस्कृतिक केंद्र, दीमापुर के बच्चों का दल बारात नृत्य प्रस्तुत करता है।

## CHILDREN'S PAGEANT

### Naari Shakti

The women are the principal pivot on which the life cycle rolls on. Women empowerment provides social, economic and political status to them through the enactment of appropriate laws. Women have capabilities to make a world of difference in the great march of civilization. Development can be accelerated if girls get right education in right direction. Pt. Jawarhar Lal Nehru has aptly said, "you can tell the conditions of a nation by looking at the status of its women". The girls of Remal Public School, Rohini, Delhi are highlighting the theme of Naari Shakti by a colourful presentation.

### Barat Dance

Barat Loka Festival is one of the famous festivals of the 'Tiwa' community of Assam. Known as 'Konwari Puja' and 'Usha Barat Festivals', the festivals are celebrated during the month of Kati and Magh Bihu. The festival is celebrated regularly at the foot hills of Tetelia during the full-moon night of the winter season in the presence of King Tetelia. 'Pati Dulia' dancers and singers coming from different Tiwa villages participate in the Barat Festival. The festival begins with the burning of 300 lamps at the inaugural function. The children contingent from North East Zonal Cultural Centre, Dimapur presents 'Barat Dance'.